‘‘बालिका आत्मरक्षा प्रशिक्षण केंद्र’’ के उद्घाटन के अवसर पर माननीय राज्यपाल महोदय का सम्बोधन

(दिनांक 15 सितम्बर, 2024)

जय हिन्द! जय उत्तराखंड!

आज जब हम अपनी बेटियों को सशक्त करने की दिशा में एक और कदम आगे बढ़ रहे हैं, इस महत्वपूर्ण अवसर पर आपके समक्ष उपस्थित होने पर मुझे असीम खुशी की अनुभूति हो रही है। ‘‘बालिका आत्मरक्षा प्रशिक्षण केंद्र’’ और कम्प्यूटर प्रशिक्षण केंद्र के उद्घाटन के सुअवसर पर मैं यहां उपस्थित जन समुदाय को बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ।

भारतीय संस्कृति में नारी का स्थान और सम्मान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। हमारे शास्त्रों, वेदों और पुराणों में नारी को विशेष आदर दिया गया है। ‘यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता’ – अर्थात जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। यह वाक्य भारतीय समाज में नारी की महत्ता को रेखांकित करता है।

प्राचीन काल से ही नारी केवल गृहिणी या परिवार की संरक्षिका नहीं, बल्कि ज्ञान, शक्ति, और संवेदनशीलता का प्रतीक भी मानी गई है। देवी सरस्वती को ज्ञान की देवी, लक्ष्मी को धन की देवी, और दुर्गा को शक्ति की देवी के रूप में पूजा जाता है। यह स्पष्ट करता है कि भारतीय

संस्कृति में नारी को आदर्श और सृजन की मूर्ति माना गया है।

वर्तमान समय में महिलाएं शिक्षा, सेना, खेल, राजनीति, विज्ञान, और व्यापार सहित हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर देश की प्रगति में योगदान देते हुए समाज में अपनी अलग पहचान बना रही हैं।

उत्तराखण्ड में महिला एवं बेटियों का सशक्तीकरण एक महत्वपूर्ण सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पहलू है। इस पर्वतीय राज्य की महिलाएं न केवल घर की जिम्मेदारियों को बखूबी निभा रही हैं, बल्कि कृषि, पशुपालन, और सामाजिक गतिविधियों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ उत्तराखण्ड की मातृशक्ति कठिन परिस्थितियों में भी अर्थव्यवस्था और प्रदेश के विकास में अद्वितीय योगदान दे रही है। मैं अपने अनुभव के आधार पर कह रहा हूँ कि देवभूमि की महिलाओं एवं बेटियों का राज्य की प्रगति में बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान है।

यहां की मातृशक्ति और बेटियों की प्रतिबद्धता और उपलब्धियों को देखकर मुझे आनंद और गर्व की अनुभूति होती है। मैंने हमेशा यह प्रयास किया है कि उत्तराखण्ड

के युवाओं विशेषकर हमारी बेटियों को बेहतर शिक्षा, रोजगार, और नवाचार के अवसर मिलें, ताकि वे राज्य के तीव्र विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकें।

हम सभी जानते हैं कि वर्तमान युग ''सूचना और तकनीक'' का युग है। ऐसे में कम्प्यूटर और डिजिटल कौशल का महत्व दिन–प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। चाहे वह सरकारी क्षेत्र हो, निजी क्षेत्र हो, या फिर हमारे व्यक्तिगत जीवन का हिस्सा कम्प्यूटर का ज्ञान हर जगह आवश्यक हो गया है। यह प्रशिक्षण केंद्र हमारे युवाओं को नवीनतम तकनीकी ज्ञान प्रदान करेगा, जो उन्हें रोजगार और उद्यमिता के नए अवसरों की ओर अग्रसर करेगा।

इस केंद्र का उद्देश्य न केवल बच्चों को कम्प्यूटर शिक्षा देना है, बल्कि उन्हें सशक्त बनाना है ताकि वे स्वयं अपना भविष्य निर्माण कर सकें। आज दुनिया ग्लोबल गांव में बदल चुकी है, और डिजिटल कौशल के बिना इस नई दुनिया में कदम रखना कठिन हो सकता है। हमें अपने युवाओं को इस प्रतिस्पर्धात्मक युग के लिए तैयार करना होगा, और यह प्रशिक्षण केंद्र इस दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

देवभूमि का धार्मिक और आध्यात्मिक माहौल, प्राकृतिक सौन्दर्य, शांत वादियाँ एवं शुद्ध जलवायु हरेक को अपनी ओर खींच लेती है। मैं अपने आपको बहुत ही सौभाग्यशाली समझता हूँ कि मुझे देवभूमि उत्तराखण्ड की

सेवा करने का सुअवसर मिला है। उत्तराखण्ड के राज्यपाल के रूप में तीन वर्ष की सेवा का यह सफर मेरे लिए अत्यंत सम्मानजनक, गौरवपूर्ण और यादगार रहा है।

इन तीन वर्षों के दौरान मैंने देवभूमि की देवतुल्य जनता के भरोसे पर खरा उतरने का भरपूर प्रयास किया है। केंद्र सरकार से विभिन्न क्षेत्रों में प्रदेश के विकास के लिए निरंतर अधिक से अधिक सहयोग मिलता रहे इस दिशा में, मैं भरसक कोशिश करता रहा हूँ।

देवभूमि की सेवा के अवसर के इन तीन वर्षों में, मैंने देवभूमि की सांस्कृतिक धरोहर, रीति–रिवाज, परंपराओं, और यहां के ईमानदार कर्मठ और साहसी लोगों से बहुत कुछ सीखा है। उत्तराखण्ड की भूमि न केवल प्राकृतिक सुंदरता का प्रतीक है, बल्कि यहां के लोग सेवा, साहस और समर्पण के लिए भी अपनी अलग ही पहचान रखते हैं।

देवभूमि की सेवा के इन तीन वर्षों की यात्रा में राजभवन के अधिकारियों, कार्मिकों एवं पूरे राजभवन परिवार का मुझे भरपूर सहयोग मिलता रहा है, इसके लिए मैं पूरे राजभवन परिवार को हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

वाहेगुरु और परम पिता परमात्मा की असीम कृपा से मुझे पहले 40 साल देश–सेवा का और फिर इसके उपरांत

देवभूमि की सेवा करने का सौभाग्य मिला है। उत्तराखण्ड के राज्यपाल के रूप में सफलतापूर्वक 3 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के इस अवसर पर, मैं सभी प्रदेशवासियों के द्वारा दिए जा रहे समर्थन, स्नेह एवं सहयोग के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

इस दौरान प्रशासनिक और संवैधानिक दायित्वों का पालन करते हुए, अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को निभाते हुए मैंने राज्य की जनता के कल्याण हेतु भरसक प्रयत्न किए हैं। राज्य की नौकरशाही में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो, विभिन्न सरकारी विभाग जनता के प्रति अधिक उत्तरदायी बने एवं सरकारी योजनाओं और नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रशासनिक मशीनरी को सुदृढ़ बनाने पर भी मैंने विशेष ध्यान देने का प्रयास किया है।

उत्तराखण्ड के राज्यपाल के रूप में राज्य का समग्र विकास एवं समाज के हर वर्ग तक विकास और कल्याणकारी योजनाएं पहुंचे, इस दिशा में मैंने भरपूर कोशिशें की हैं। इन तीन वर्षों के दौरान हमने प्राकृतिक एवं जैविक खेती, शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, महिला सशक्तीकरण, टेक्नोलॉजी और पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में ठोस कदम उठाए हैं।

मेरा मानना है कि उत्तराखण्ड का भविष्य काफी उज्ज्वल है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि हम सब मिलकर उत्तराखण्ड को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। प्रदेश की युवा पीढ़ी, जो हमारे देश का भविष्य है, को सही दिशा और अवसर प्रदान करना हमारा सबसे महत्वपूर्ण कर्तव्य है।

मैं मानता हूँ कि उत्तराखण्ड का विकास केवल सरकार या प्रशासन का दायित्व नहीं है, बल्कि यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। मैं उत्तराखण्ड वासियों का आभार प्रकट करता हूँ, जिन्होंने हमेशा अपने सहयोग, समर्थन और प्रेरणा से मुझे उत्तराखण्ड को एक विकसित, समृद्ध और सशक्त राज्य बनाने के मेरे प्रयासों में साथ दिया।

उत्तराखण्ड को देश का श्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए हम सभी के कठोर प्रयास जारी हैं। आने वाले समय में, मैं आपके साथ मिलकर उत्तराखण्ड के विकास की गति को और तेज करने के लिए प्रतिबद्ध हूँ। मुझे तो लगता है कि तमाम विविधताओं से भरा यह राज्य इस पृथ्वी पर एक स्वर्ग के समान है, और हमें इसे भविष्य की पीढ़ियों के लिए और अधिक सुंदर और समृद्ध बनाना है।

आज के इस अवसर पर राजभवन की पत्रिका ''देवभूमि संवाद'' एवं ''नंदा'' का विमोचन किया गया, मैं इन

पत्रिकाओं के सम्पादन मण्डल और सभी सहयोगियों को बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ। आशा करता हूँ कि राजभवन के प्रयासों और उपलब्धियों के यह दस्तावेज, राजभवन के द्वारा प्रदेश के विकास में योगदान को समझने और भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध होंगे।

आज कई जरूरतमंद लोगों को आर्थिक सहायता/पुरस्कार राशि वितरित की गई है। मेरी सोच और प्रयास रहा है कि राजभवन अधिक से अधिक लोगों को मदद कर सके।

वास्तव में इस देवभूमि की सेवा का अवसर पाकर मैं स्वयं को गौरवशाली और सौभाग्यशाली मानता हूँ। मेरी ईश्वर से हमेशा यही प्रार्थना है कि आप सभी स्वस्थ, खुशहाल और सुरक्षित रहें। मेरा दृढ़ विश्वास है कि हम सब मिलकर इस प्रदेश को और भी उन्नत, समृद्ध, और आत्मनिर्भर बनाएंगे।

आशा करता हूँ कि आप सभी इस ''बालिका आत्मरक्षा प्रशिक्षण केंद्र'' एवं ''कम्प्यूटर प्रशिक्षण केंद्र'' का अधिक से अधिक लाभ उठाएंगे। अंत में आप सभी का आभार व्यक्त करते हुए मैं अपनी वाणी को विराम देता हूँ।

जय हिन्द!